IS 19357:2025
Textile Floor Coverings – State of the Art on Maintenance and Cleaning

This Indian Standard provides a comprehensive and structured framework on the maintenance and cleaning of textile floor coverings such as carpets and rugs, which are widely used in homes, offices, and public spaces. Recognizing that carpets accumulate dust, spills, stains, and allergens through daily foot traffic, the standard emphasizes that proper upkeep is essential for retaining their appearance, durability, and hygienic indoor environment. It defines key terms such as soil, spill, stain, residue, interim cleaning, and restorative cleaning to guide users and professionals in selecting appropriate care techniques.

The standard highlights the importance of a planned maintenance programme, including routine vacuuming, timely removal of spills, use of door mats, and protection during nearby repair or installation work. It outlines both interim and deep-cleaning methods—such as dry vacuuming, dry compound cleaning, bonnet cleaning, shampooing, encapsulation, hot water extraction, and soaking—specifying when each method should be used and the equipment required. It stresses environmentally responsible cleaning, minimal residue, safe detergents, and the need for trained personnel to avoid damage to the carpet's pile, colour, or structure.

Detailed guidelines are also provided for spot cleaning, drying, grooming, and evaluating cleaning results. Annexes include practical Do's and Don'ts for carpet care and recommended cleaning procedures. Through these measures, the standard aims to ensure longer carpet life, better hygiene, and consistent maintenance practices across households and commercial spaces.

IS 19357:2025
वस्त्रादि फर्श आवरण — रखरखाव और सफाई पर अधुनातन

यह भारतीय मानक कालीन, गलीचा तथा अन्य वस्त्र आधारित फर्श आवरणों के रखरखाव और सफाई के लिए एक व्यापक और सुव्यवस्थित ढांचा प्रदान करता है, जो घरों, कार्यालयों तथा सार्वजनिक स्थलों में व्यापक रूप से उपयोग किए जाते हैं। यह मान्यता देते हुए कि दैनिक आवागमन के कारण कालीनों में धूल, फैलाव, दाग तथा एलर्जेन एकत्रित होते रहते हैं, मानक इस बात पर बल देता है कि इनकी उपस्थिति, टिकाऊपन और स्वच्छ इनडोर वातावरण बनाए रखने के लिए उचित रखरखाव अत्यंत आवश्यक है। उपयोगकर्ता और पेशेवरों को उपयुक्त देखभाल तकनीक चुनने में सहायता देने हेतु मानक में *सॉइल, स्पिल, स्टेन, रेज़िड्यू, इंटरिम क्लीनिंग* और *रेस्टोरेटिव क्लीनिंग* जैसे प्रमुख शब्दों की स्पष्ट परिभाषा दी गई है।

यह मानक एक नियोजित रखरखाव कार्यक्रम के महत्व को रेखांकित करता है, जिसमें नियमित वैक्यूमिंग, फैलाव की समय पर सफाई, डोरमैट का उपयोग तथा आसपास की मरम्मत या इंस्टॉलेशन कार्य के दौरान संरक्षण शामिल है। इसमें अंतरिम तथा गहन सफाई की विभिन्न विधियाँ—जैसे ड्राई वैक्यूमिंग, ड्राई कंपाउंड क्लीनिंग, बॉनेट क्लीनिंग, शैम्पूइंग, एन्कैप्सुलेशन, हॉट वॉटर एक्सट्रैक्शन और सोकिंग—का वर्णन करते हुए बताया गया है कि कौन-सी विधि कब और कैसे उपयोग की जानी चाहिए तथा इसके लिए आवश्यक उपकरण क्या हैं। यह मानक पर्यावरण-अनुकूल सफाई, न्यूनतम अवशेष, सुरक्षित डिटर्जेंट के उपयोग तथा प्रशिक्षित कर्मियों की आवश्यकता पर भी बल देता है, ताकि कालीन की पाइल, रंग या संरचना को कोई नुकसान न हो।

दस्तावेज़ में स्पॉट क्लीनिंग, सुखाने, ग्रूमिंग तथा सफाई परिणामों के मूल्यांकन हेतु विस्तृत दिशानिर्देश शामिल हैं। परिशिष्टों में कालीन देखभाल के व्यावहारिक *Do's and Don'ts* तथा अनुशंसित सफाई विधियाँ दी गई हैं। इन प्रावधानों के माध्यम से मानक का उद्देश्य कालीनों की अधिक आयु, बेहतर स्वच्छता और घरों व वाणिज्यिक स्थानों में एकसमान रखरखाव पद्धतियों को प्रोत्साहित करना है।